भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 955

उत्तर देने की तारीख 02 दिसंबर, 2024

11 अग्रहायण, 1946 (शक)

'विकसित भारत एम्बेसडर - युवा कनेक्ट' पहल

955. श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा :
श्री भर्तृहरि महताब:
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर :
श्री मनोज तिवारी:
श्री जनार्दन मिश्रा:
श्री विनोद लखमशी चावड़ा:
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया:
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:
श्री तापिर गाव:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में युवाओं को शामिल करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत एम्बेसडर-युवा कनेक्ट' पहल के विशिष्ट उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या महाविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत से राष्ट्र निर्माण में उत्तरदायित्वों के बारे में उनकी समझ में योगदान मिलता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस पहल में छात्रों की भागीदारी को सुकर बनाने में 'माई भारत पोर्टल' की भूमिका का ब्यौरा क्या है; और

(घ) बजट में उल्लिखित युवा केन्द्रित निर्णयों का ब्यौरा क्या है जो विकसित भारत के लिए इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) "विकसित भारत 2047" पहल का उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को साकार करना है।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के इस लक्ष्य में युवाओं को शामिल करने के लिए भारत के विकासात्मक परिवर्तन में युवाओं की सहभागिता और नेतृत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "विकसित

भारत एम्बेसडर-युवा कनेक्ट" कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। इन कार्यक्रमों को विकसित भारत की संकल्पना संबंधी चर्चाओं पर आयोजित किया जाता है जिसमें संपूर्ण भारत के शैक्षिक संस्थाओं के युवा भाग लेते हैं। इनमें युवाओं को सुप्रसिद्ध वक्ताओं के साथ संवाद करने का भी अवसर मिलता है।

(ख) कॉलेज के छात्रों के साथ संवाद विभिन्न शैक्षिक और अनुभवात्मक अवसरों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उनकी जिम्मेदारियों को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय पहचान, नागरिक सहभागिता, सामाजिक सामंजस्य, मानव पूंजी विकास, आलोचनात्मक सोच और सशक्तिकरण जैसे मूल्यों पर बल दिया जाता है, ताकि छात्र अपने समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। ये संवाद न केवल व्यक्तिगत विकास में वृद्धि करते है बल्कि पूरे राष्ट्र के ताने-बाने को भी सुदृढ़ करते है।

(ग) माई भारत पोर्टल, अमृत काल के दौरान 'कर्तव्य बोध' और 'सेवा भाव' के माध्यम से युवा विकास और युवा नेतृत्व जनित विकास के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक व्यापक सक्षम तंत्र है।

इसके अलावा, माई भारत अनुभव से सीखें के अवसरों और स्वयंसेवा की पहलों के माध्यम से छात्रों में समस्या समाधान कौशल, नेतृत्व कौशल विकसित करने का एक संस्थागत तंत्र है।

माई भारत डिजिटल मंच के माध्यम से युवा स्वयंसेवी कार्यकलापों संबंधी कार्यक्रम, मेगा कार्यक्रम, एक्सपीरिएन्शियल लर्निंग कार्यक्रम (ईएलपी), वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, मेंटोरशिप कार्यक्रम आदि भी चलाए जाते हैं। स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रमों की तस्वीरें-वीडियो भी अपलोड किए जाते हैं, जिन्हें समाज की जागरूकता और लाभ के लिए सभी लोग देख सकते हैं। इस तरह के प्रावधान अधिक से अधिक युवाओं को इन पहलों में भाग लेने और लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

(घ) वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लिए एक विज़न को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत के हाल के केंद्रीय बजट में कई युवा-केंद्रित पहलें शुरु की गई हैं। ये पहल रोजगार, कौशल विकास और वित्तीय सहायता पर केंद्रित हैं, जो युवा आबादी को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक हैं।

बजट में अन्य बातों के साथ-साथ युवा-केंद्रित प्रमुख निर्णय में निम्नलिखित शामिल हैं :

(i) मेरा युवा भारत: मेरा युवा भारत (माई भारत) नामक स्वायत्त निकाय की स्थापना जिसका उद्देश्य युवा विकास और युवा जनित नेतृत्व में विकास के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक व्यापक संस्थागत तंत्र प्रदान करना है। माई भारत, पोर्टल के माध्यम से भारत के युवाओं को उनके समग्र विकास के लिए एक्सपीरिएंशियल लर्निंग कार्यक्रम (ईएलपी) और स्वयंसेवा के अवसर, मेंटोरशिप कार्यक्रम आदि प्रदान करता है।

(ii) सहायिकी प्राप्त शैक्षिक ऋण।

(iii) युवाओं के लिए रोजगार स्कीमें जैसे कि विनिर्माण रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहन और एमएसएमई के लिए समर्थन।

(iv) युवा उद्यमियों के लिए मुद्रा ऋण सीमा में वृद्धि।

ये उपाय सामूहिक रूप से भारत के युवाओं की क्षमता को निखारने की दिशा में एक रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं तथा यह सुनिश्चित करते हैं कि वे राष्ट्र हित और विकास में प्रभावी योगदान देने के लिए आवश्यक कौशल और अवसरों से सुसज्जित हों।

*****